प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

नॉर्थ ज़ोन 'अन्वेषण 2025' का पंतनगर विश्वविद्यालय में हुआ भव्य समापन समारोह

पंतनगर, 27 नवम्बर 2025। पंतनगर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) एवं पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नॉर्थ जोन अन्वेषण 2025 का समापन समारोह गांधी हाल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान, विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. ओ.पी.एस. नेगी तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरणविद् श्री विनोद प्रसाद जुगलन के साथ एआईयू के संयुक्त निदेशक (शोध) डा. अमरेन्द्र पाणि, कुलसचिव एवं जोनल कोऑर्डिनेटर डा. दीपा विनय तथा अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन एवं जोनल को–कोऑर्डिनेटर डा. आर.एस. जादौन सहित विभिन्न निर्णायक मंडलों के सदस्य, अधिष्ठाता, निदेशकगण, समन्वयक, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, विद्यार्थी तथा देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पर्यावरणविद् श्री जुगलन विनोद प्रसाद ने छात्रों की विविध भागीदारी की सराहना करते हुए अंतर्विषयक शोध को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नवाचार तब उभरता है जब छात्र नए प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित होते हैं। अन्वेषण जैसे आयोजन जिज्ञासा को बढ़ाते हैं और युवा शोधकर्ताओं को उत्कृष्टता की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता को आज के शोध का अनिवार्य तत्व बताते हुए जलवायु–संवेदनशील तकनीकों और पर्यावरण–हितैषी नवाचारों पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा जल संरक्षण की अपील की।

कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने शोध और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अन्वेषण युवाओं को खोज, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि देश के युवा वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं, जिससे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को मजबूती मिलती है। पूर्व कुलपति डा. ओ.पी.एस. नेगी ने रचनात्मकता और मौलिकता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं शोधार्थियों का है जो पारंपरिक सीमाओं से परे सोचते हैं। एआईयू के संयुक्त निदेशक (शोध) डा. अमरेन्द्र पाणि ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये उत्कृष्ट आयोजन की सराहना की और उन्होंने बताया कि 2025 में एआईयू द्वारा अपनाई गयी नयी मूल्यांकन प्रक्रिया के अनुसार प्रतिभागियों की पहचान गोपनीय रखी गयी, सभी टीमों को थीम कोऑर्डिनेटर्स द्वारा कोड आवंटित किये गये, प्रस्तुति के दौरान केवल कोड के आधार पर ही मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक प्रस्ताव का सात मानदडों पर मूल्यांकन किया गया। जजो द्वारा इस प्रणाली की निष्पक्षता की सराहना की गयी।

कार्यक्रम की शुरुआत संविधान दिवस के अवसर पर डा. दीपा विनय द्वारा संविधान की शपथ दिलाने से हुई। कार्यक्रम में टर्निटिन सॉफ्टवेयर पर सुश्री चेताली शर्मा द्वारा एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक ईमानदारी, साहित्यिक चोरी की पहचान तथा डिजिटल उपकरणों के माध्यम से शोध गुणवत्ता में सुधार पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही टर्निटिन पर एक अवधारणात्मक प्रस्तुति तथा 'अन्वेषण 2025' की प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समारोह का मुख्य आकर्षण 'स्कॉलरी रिसर्च बुक' का विमोचन रहा, जिसमें सम्मेलन के दौरान किए गए शैक्षणिक योगदान संकलित हैं।

कार्यक्रम में छः थीम कृषि विज्ञान एवं संबद्ध विषयों; सोशल साइंस, ह्यूमिनिटीज, बिजनेस मैनेजमेंट एवं लॉ; इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च; इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी; हेल्थ साइंस एंड एलाइड साइंस; बेसिक साइंस के कुल 18 विजेता टीमों की घोषणा की गयी। उत्तर भारत के 120 से अधिक टीमों ने इस प्रतियोगिता में ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यमों में प्रतिभाग कर अनुसंधान परियोजनाएं प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध विषयों के थीम समन्वयक अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्र ने बताया कि लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया जिसमें प्रथम पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, द्वितीय पुरस्कार बैनेट यूनिवर्सिटी एवं दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट तथा तृतीय पुरस्कार शारदा यूनिवर्सिटी ने प्राप्त किया। सोशल साइंस, ह्यूमिनिटीज, बिजनेस मैनेजमेंट एवं लॉ की थीम समन्वयक अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान डा. अल्का गोयल ने बताया कि लगभग 15 से अधिक टीमों ने भाग लिया जिसमें प्रथम पुरस्कार शारदा यूनिवर्सिटी, द्वितीय ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी और तृतीय पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के थीम समन्वयक अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डा. लोकेश वार्ष्णेय ने बताया कि लगभग 20 से अधिक टीमों ने प्रतिभाग किया जिनमें प्रथम पुरस्कार एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा; द्वितीय इंटीग्रल यूनिवर्सिटी तथा तृतीय दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने प्राप्त किया। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के थीम समन्वयक अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डा. एस.एस. गुप्ता ने बताया कि लगभग 22 से अधिक प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया जिनमें प्रथम पुरस्कार स्वामी विवेकानन्द सब्भारती यूनिवर्सिटी, मेरठ; द्वितीय पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, तथा तृतीय एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा को मिला। हेल्थ साइंस एंड एलाइड साइंस के थीम समन्वयक अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान डा. ए.एच. अहमद ने बताया कि लगभग 18 से अधिक प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया जिनमें प्रथम पुरस्कार गुरु काशी यूनिवर्सिटी, द्वितीय श्री गुरु गोविंद सिंह त्रिसेंटेनरी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम और तृतीय पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया तथा बेसिक साइंस के थीम समन्वयक अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी डा. आर.सी. श्रीवास्तव ने बताया कि लगभग 20 से अधिक प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया जिनमें प्रथम पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, द्वितीय श्री गुरु गोविंद सिंह त्रिसेंटेनरी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, तथा तृतीय बैनेट यूनिवर्सिटी को मिला। इसके अतिरिक्त सभी थीम समन्वयकों एवं थीम को–कोऑर्डिनेटरों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

समारोह के अंत में डा. आर.एस. जादौन ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्वेषण युवा शोधकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय स्तर का परिवर्तनकारी मंच है और भविष्य में विश्वविद्यालय ऐसे आयोजनों की मेजबानी करता रहेगा। उन्होंने बताया कि 18 विजेता टीम अब अन्तर्राष्ट्रीय अन्वेषण 2025 में उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने सम्मेलन के समापन की घोषणा की। कार्यक्रम का सफल संचालन एसबीआई पंतनगर, बीआईएस, पंतनगर; 4ए पंतनगर, उत्तराखण्ड बायोटेक काउन्सिल तथा टर्निट टीम के सहयोग से किया गया।

ANVESHAN
2025

ANVESHAN
2025